निवेश और भागीदारी के अवसरों पर चर्चा

वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग और व्यापार एवं उद्योग मंत्री सेसिली मायर्सेथ के साथ द्विपक्षीय बैठक

नयी दिल्ली, 16 फरवरी. केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण का नॉर्वे के ओस्लो हवाई अड्डे पहुंचने पर वहां भारत की राजदूत ग्लोरिया गंगटे ने स्वागत किया.

वित्त मंत्रालय द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार श्रीमती सीतारमण ओस्लो में अपने दो दिन के प्रवास में वहां के प्रधानमंत्री जोनास ग़ार स्टोर से मिलेंगी. वह वित्त मंत्री जेन्स स्टोलटेनबर्ग और व्यापार एवं उद्योग मंत्री सेसिली मायर्सेथ के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी.

श्रीमती सीतारमण ओस्लो साइंस पार्क देखने जाएंगी जहाँ वह कुछ स्टार्ट-अप इकाइयों के साथ बातचीत करेंगी. वित्त मंत्री नॉर्वे की कुछ चुनिंदा कंपनियों के मुख्य अधिशासी अधिकारियों तथा निवेशकों के साथ एक गोल मेज बैठक में शामिल होगी और नार्वे में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के साथ मिलन के एक कार्यक्रम में भाग लेंगी.

श्रीमती सीतारमण यूरोप की यात्रा के पहले चरण में जर्मनी में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर नार्वे पहुंची हैं. उन्होंने कल जर्मनी के म्यूनिख में प्रसिद्ध बंदरगाह कंपनी एपीएम टर्मिनल के मुख्य अधिशासी अधिकारी (सीईओ) कीथ स्वेंडसेन से मुलाकात की . श्री स्वेंडसेन ने भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते के बारे में बात की.

वित्त मंत्री ने उन्हें भारत के समुद्री पोत परिवहन एवं बंदरगाह क्षेत्र में हाल में किये गये सुधारों के बाद निवेश और भागीदारी के अवसरों पर भी चर्चा की .

> स्वेंडसेन ने श्रीमती सीतारमण द्वारा हाल के बजट में कंटेनर विनिर्माण से जुड़ी खास घोषणाओं का भी ज़िक्र किया. दोनों ने हाल ही में हुए भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते के फ़ायदों पर भी बात की, जिससे भारतीय और यूरोपीय बाजार खुल रहे हैं और भविष्य में दोनों तरफ के व्यवसायियों को होने वाले फ़ायदों पर भी बात की.

विदेशी मेहमान बिना भारतीय नंबर कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

नई दिल्ली, 16 फरवरी. नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल होने वाले विदेशी प्रतिनिधियों के लिए 'यूपीआई वन वर्ल्ड' वॉलेट सुविधा का विस्तार किया है. 16 से 20 फरवरी तक आयोजित इस समिट में 40 से अधिक देशों के मेहमान भारत में अपने प्रवास के दौरान बिना भारतीय मोबाइल नंबर या स्थानीय बैंक खाते के यूपीआई भुगतान कर सकेंगे. इस पायलट पहल के तहत विदेशी यात्री रियल-टाइम पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) भुगतान कर पाएंगे. यह वॉलेट अधिकृत पीपीआई जारीकर्ताओं के माध्यम से नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और भारत मंडपम स्थित एनपीसीआई पवेलियन पर उपलब्ध है.

थोक मुद्रास्फीति जनवरी में बढ़कर 1.81% पर

साल के पहले महीने में विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर 2.86 प्रतिशत रही

नयी दिल्ली, 16 फरवरी. सब्जियों, फलों और धातुओं के दाम बढ़ने से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर जनवरी में बढ़कर 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गयी, जो मार्च 2025 के बाद का उच्चतम स्तर है. दिसंबर 2025 में थोक महंगाई दर 0.83 प्रतिशत रही थी.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जनवरी एक साल पहले की तुलना में सब्ज्यों के दाम 6.78 प्रतिशत और फलों के 1.78 प्रतिशत बढ़ गये. दूध की कीमत में 2.51 फीसदी और अंडों, मांस तथा मछलियों के दामों में 3.66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी.

गैर-खाद्य पदार्थों में तिलहन के थोक भाव 19.25 प्रतिशत और खनिजों के 12.76 प्रतिशत बढ़े. वहीं, कच्चे तेल की कीमत 11.23 प्रतिशत घटी.

ईंधन एवं बिजली वर्ग में थोक मुद्रास्फीति शून्य से 4.01 प्रतिशत नीचे रही. रसोई गैस के दाम सालाना 7.68 प्रतिशत, पेट्रोल के 4.58 प्रतिशत और डीजल के 4.29 प्रतिशत तक घटे.

साल के पहले महीने में विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर 2.86 प्रतिशत और बेसिक धातुओं की 5.98 प्रतिशत रही.

बिहार बनना चाहता है आईटी हब

नयी दिल्ली, 16 फरवरी . बिहार सरकार 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एंड एक्सपो -2026' के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अपने को एक उभरते सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र (आईटी हब) के रूप में प्रदर्शित करने की तैयारी में है.

बिहार सरकार के अनुसार राजधानी में सोमवार से शुरू हो रहे इस वैश्विक सम्मेलन में उसका पैवेलियन को भारत मंडपम के हॉल 5-एफ में स्टाल संख्या 8 और 12 में स्थापित किया गया है. राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस सम्मेलन में भाग ले रही बिहार की आईटी इकाइयों और स्टार्टअप को 16-20 फरवरी तक चलने वाले इस सम्मेलन में शामिल हो रही 100 से अधिक देशों की बड़ी आईटी व एआई कंपनियों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा. बिहार सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारत मंडपम में इंडिया एआई सम्मेलन में बिहार मंडप से दुनिया को यह सन्देश देने का लक्ष्य है कि बिहार पूर्वोत्तर भारत के आईटी हब के रूप में विकसित होने के मार्ग पर अग्रसर है.

> इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एंड एक्सपो 2026 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी दुनिया की बड़ी कंपनियां हिस्सा लेने जा रही हैं . इस पांच दिवसीय आयोजन में 100 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लेने की पुष्टि की है . इसमें गूगल, एनवीडिया और ओपनएआई जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं . साथ ही इन कंपनियों के शीर्ष अधिकारी भी कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं . इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य एआई इकोसिस्टम से जुड़े लोगों को एक मंच पर लाना और उन्हें आपस में जोड़ना है . इस दौरान बिहार के इनोवेटर्स को भी अपनी तकनीक और क्षमताएं दिखाने का मौका मिलेगा . एक्सपो में स्टार्टअप्स और निवेशकों को जोड़ने के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे .

इंडिया समिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का 'महाकुंभ'

नई दिल्ली, 16 फरवरी. केंद्रीय वाणिज्य एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पांच दिवसीय एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का 'महाकुंभ' बताते हुए इसे भारत की डिजिटल यात्रा का ऐतिहासिक क्षण कहा. 'फ्रॉम एआई यूजर टू क्रिएटर' सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत अब केवल एआई का उपयोग करने वाला नहीं, बल्कि एआई समाधान विकसित करने वाला देश बन रहा है.के नेतृत्व में तकनीक और व्यापार देश की आर्थिक प्रगति के प्रमुख इंजन बनकर उभरे हैं. मंत्री ने चेतावनी दी कि जो देश और सरकारें तेजी से बदलती तकनीक को नहीं अपनाएंगी, वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएंगी.

सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट

> **सोना 0.50 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 1,54,125 रुपए प्रति 10 ग्राम**
>
> **चांदी करीब 2 प्रतिशत गिरकर 2,35,208 रुपए प्रति किलोग्राम**

मुंबई, 16 फरवरी. सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कीमती धातुओं यानी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली, और इसके पीछे का कारण अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों में सकारात्मक बदलाव के चलते डॉलर की मजबूती रही.

दिन के कारोबारी सत्र में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 0.50 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 1,54,125 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जो दिन का निम्नतम स्तर है. वहीं मार्च डिलीवरी वाली चांदी करीब 2 प्रतिशत गिरकर 2,35,208 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गई.

एमसीएक्स पर 2 अप्रैल की एक्सपायरी वाला सोना 0.25 प्रतिशत यानी 395 रुपए गिरकर 1,55,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, तो वहीं 5 मार्च की एक्सपायरी वाली चांदी 1.39 प्रतिशत यानी 3,403 रुपए की गिरावट के साथ 2,40,957 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी.

जनवरी में अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में आई नरमी के चलते डॉलर इंडेक्स 0.10 प्रतिशत बढ़कर 97 पर पहुंच गया. इससे पहले मजबूत रोजगार आंकड़ों से सूचकांक को मजबूती मिली थी, जो अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित मजबूती का संकेत देते हैं. डॉलर मजबूत होने से डॉलर में कीमत तय होने वाले सोने-चांदी अन्य देशों के निवेशकों के लिए महंगे हो जाते हैं, जिससे मांग पर असर पड़ता है.

जनवरी में अमेरिकी सीपीआई में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि दिसंबर में यह 0.3 प्रतिशत बढ़ा था. सालाना आधार पर महंगाई दर जनवरी में 2.4 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने के 2.7 प्रतिशत से कम है.

एआई भारत के लिए बड़ा अवसर, रोजगार और नवाचार को देगा गति

नई दिल्ली, 16 फरवरी. इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और यह रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकता है. कोरोवर एआई और भारतजीपीटी एआई के संस्थापक व सीईओ अंकुश सभरवाल ने कहा कि एआई के जरिए अब सिर्फ इंजीनियर ही नहीं, बल्कि आम लोग भी ऐप और समाधान विकसित कर सकते हैं. इससे भारत यूजर के बजाय क्रिएटर की भूमिका निभा सकेगा. खाद्य एवं कृषि संगठन के राष्ट्रीय तकनीकी समन्वयक संजय सेठी ने बताया कि कृषि क्षेत्र में एआई मौसम पूर्वानुमान, फसल प्रबंधन और सप्लाई चेन को बेहतर बनाने में मदद करेगा.

यूपीआई से लेनदेन में बढ़त से देश में तेजी से बढ़ रहा मुद्रा का चलन

मुंबई, 16 फरवरी. देश में करेंसी सर्कुलेशन जनवरी 2026 के अंत तक बढ़कर रिकॉर्ड 40 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया है. इसमें सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5.3 प्रतिशत थी.

यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई. एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि जनता के पास करेंसी (सीडब्ल्यूपी) की हिस्सेदारी कुल करेंसी सर्कुलेशन में 97.6 प्रतिशत (करीब 39 लाख करोड़ रुपए) हो गई है.

रिपोर्ट में बताया गया कि देश में यूपीआई के कारण डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ा है और इससे कैश-टू-जीडीपी रेश्यो में बड़ी गिरावट देखने को मिली है.

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार

146 अंक की गिरावट पर रहा सेंसेक्स

47.50 अंक पर टूटा निफ्टी

मुंबई, 16 फरवरी. घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ खुले और शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव देखा गया.

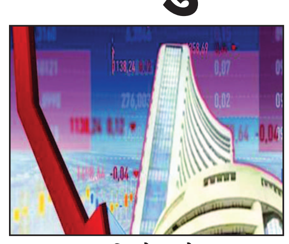

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 146.26 अंक की गिरावट के साथ 82,480.40 अंक पर खुला और इसके बाद इसमें उतार-चढ़ाव देखा गया. खबर लिखे जाते समय यह पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 69.67 अंक (0.08 प्रतिशत) नीचे 82,557.09 अंक पर था. इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 47.50 अंक टूटकर 25,423.60 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह भी 16 अंक यानी 0.06 फीसदी उतरकर 25,455.10 अंक पर रहा.

वृहत बाजार में ज्यादा गिरावट थी और मझौली तथा छोटी कंपनियों के सूचकांक नीचे चल रहे थे. आईटी, ऑटो, मीडिया, धातु, सार्वजनिक बैंक, तेल एवं गैस और रसायन समूहों के सूचकांक लाल निशान में थे. फार्मा, स्वास्थ्य, निजी बैंक और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में तेजी थी. सेंसेक्स की गिरावट में इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अडानी पोर्ट्स का ज्यादा योगदान रहा.

सीसीपीए ने स्नैपडील पर लगाया 5 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली. केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने सोमवार को ई-कॉमर्स कंपनी स्नैपडील पर अपने प्लेटफॉर्म पर गैर-बीआईएस मानकों वाले खिलौनों की बिक्री के लिए 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया. नियामक संस्था ने कहा है कि उसने जरूरी खिलौनाआदेश, 2020 और भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानकों का उल्लंघन करते हुए खिलौनों की बिक्री करने वाली ई-कॉमर्स संस्थाओं और विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है.

बरेली से अमेरिका की एआई अग्रिम तक : एक प्रतिभा की यात्रा

नई दिल्ली, 16 फरवरी. बरेली की गलियों से निकलकर अमेरिका के प्रमुख एआई मंचों तक पहुँचना नितिन कुमार की असाधारण यात्रा को दर्शाता है.

अगस्त में लास वेगास में एआई कॉन्फ्रेंस के पैनल पर जब वे बैठे, तो अमेरिकी तकनीकी जगत उनकी बातों को गंभीरता से सुन रहा था. आज मैरियट इंटरनेशनल में डायरेक्टर ऑफ डेटा साइंस हैं और एआई के भविष्य को दिशा दे रहे हैं.

ग्रेटर नोएडा से बीटेक करने के बाद नितिन ने बिरलासोफ्ट से करियर की शुरुआत की. वहीं उन्हें समझ आया कि तकनीक केवल कोड नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं के समाधान का माध्यम है.

अमेरिका जाने के फैसले ने उनकी दिशा बदल दी. मैरियट में उनके नेतृत्व में विकसित एआई सिस्टम दुनिया भर के लाखों लोगों की सेवा कर रहे हैं. नितिन की पहचान जिम्मेदार और भरोसेमंद एआई को लेकर है.

समाचार विशेष

भाजपा के लिए खतरा बनेगी तिकड़ी

विजय-स्टालिन-जगन की फोटो ने बढ़ाई अटकलें

दक्षिण भारत से आई एक तस्वीर इन दिनों इंटरनेट पर जबरदस्त चर्चा का विषय बनी हुई है. कहा जाता है कि राजनीति में तस्वीरें बहुत कुछ कह जाती हैं और चेन्नई की एक शाही शादी से सामने आई फोटो ने सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है. यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है. समर्थक इसे ब्लॉकबस्टर मोमेंट बता रहे हैं तो आलोचक इसे महज दिखावा कहकर खारिज कर रहे हैं.

मौका था आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के करीबी रिश्तेदार वाई.एस. सुनील रेड्डी के बेटे साहिल रेड्डी और वेदिका की शादी का. चेन्नई के द लीला पैलेस में आयोजित इस हाई-प्रोफाइल समारोह में कई बड़े चेहरे पहुंचे लेकिन सारी सुर्खियां उस सोफे ने बटोर लीं जिस पर जगन मोहन रेड्डी, तमिल सुपरस्टार से नेता बने थलपति विजय और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन साथ बैठे नजर आए. तस्वीरों और वीडियो में विजय और जगन लंबी बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं. यही वजह है कि इसे सिर्फ एक शिष्टाचार मुलाकात मानने के बजाय 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है. सवाल उठ रहा है कि क्या यह सिर्फ संयोग था या दक्षिण की राजनीति में किसी नए समीकरण की झलक?दिलचस्प बात ये भी रही कि शादी में एआईएडीएमके नेता ई. पलानीस्वामी (एआईडीएमके) भी मौजूद थे लेकिन चर्चा उतनी नहीं हुई. पूरा फोकस इन तीन चेहरों पर रहा, जिन्हें दक्षिण की राजनीति के प्रभावशाली खिलाड़ी माना जाता है. हालांकि विजय और स्टालिन की अलग से कोई तस्वीर सामने नहीं आई, लेकिन दोनों के बीच पहले से ही अच्छे संबंध बताए जाते हैं. जब विजय राजनीति में नहीं आए थे, तब भी मुलाकातें होती रही थीं.

> **कमबैक सिग्नल हो सकती है**
>
> विश्लेषकों का मानना है कि यह तस्वीर जगन के लिए भी एक तरह का कमबैक सिग्नल हो सकती है . एक संदेश कि वह अभी भी दक्षिण के बड़े नेताओं की कतार में खड़े हैं . वहीं विजय के लिए अनुभवी नेताओं के साथ मंच साझा करना उन्हें एक गंभीर राजनीतिक खिलाड़ी के तौर पर पेश करता है . राजनीतिक चर्चाओं में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या स्टालिन, विजय और जगन को साथ लाकर दक्षिण में बीजेपी के विस्तार को रोकने की रणनीति बना रहे हैं ? जगन को आंध्र प्रदेश में अपनी पकड़ फिर मजबूत करनी है, जबकि विजय 2026 में तमिलनाडु की सत्ता की दौड़ में उतरने की तैयारी कर रहे हैं .

कांग्रेस पहुंचाएगी भाजपा को फायदा !

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की सियासत में कांग्रेस ने एक ऐसा 'जुआ' खेला है, जिसने राजनीतिक विश्लेषकों को हैरान कर दिया है. राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का कांग्रेस का यह फैसला एक साहसिक कदम माना जा रहा है.

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह फैसला कांग्रेस के संगठन में नई जान फूंकेगा या फिर परोक्ष रूप से भारतीय जनता पार्टी की जीत की राह आसान कर देगा. पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए क्षेत्रीय दलों के साथ हाथ मिलाया, लेकिन यह रणनीति अक्सर कांग्रेस के लिए ही आत्मघाती साबित हुई. बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक गठबंधन में कांग्रेस का स्ट्राइक रेट गिरता गया और संगठन जमीनी स्तर पर कमजोर होता चला गया. बंगाल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का एक बड़ा वर्ग लंबे समय से तर्क दे रहा था कि जब तक पार्टी अपने दम पर नहीं लड़ेगी, उसका जनाधार वापस नहीं आएगा. भले ही अभी हार मिले, लेकिन भविष्य के लिए संगठन मजबूत करना जरूरी है.

अगर हम पिछले चुनावों के आंकड़ों पर गौर करें तो कांग्रेस की स्थिति मिली-जुली रही है. साल 2006 में जब कांग्रेस पार्टी अकेले लड़ी, तो उसे 21 सीटें मिली थीं.

कांग्रेस बनी खुद की ही दुश्मन

पंजाब में कर दी बहुत बड़ी गलती, खो देगी अपना वोट बैंक !

चंडीगढ़. पंजाब की राजनीति में कांग्रेस इस समय एक अजीबोगरीब स्थिति से गुजर रही है. 2024 के लोकसभा चुनावों में 13 में से 7 सीटें जीतकर राज्य में सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी कांग्रेस, 2027 की चुनावी दहलीज पर पहुंचने से पहले ही अपनों के 'जुबानी तीर' से घायल हो रही है.

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पार्टी सरकार को घेरने के बजाय अपने ही वरिष्ठ नेताओं की बयानबाजी के बोझ तले दबती जा रही है.

ताजा विवाद नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के एक बयान से शुरू हुआ. भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी को घेरते हुए बाजवा ने कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ पर निजी टिप्पणी कर दी. उन्होंने कहा कि हरभजन सिंह पहले बैंड बजाते थे और अब हम उनकी बैंड बजा देंगे. इस बयान को आप ने हाथों-हाथ लिया और इसे दलित समाज का अपमान करार दिया. गत सोमवार को चंडीगढ़ की सड़कों पर भारी हंगामा देखने को मिला, जब आप कार्यकर्ताओं ने बैंड-बाजों के साथ बाजवा के आवास का घेराव किया. पुलिस को प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा. आप नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस की मानसिकता जातिवादी और दलित विरोधी है.

चन्नी और भट्ठल के बयानों ने भी बढ़ाई मुश्किल- यह पहली बार नहीं है, जब पंजाब कांग्रेस अपने नेताओं के बयानों से बैकफुट पर आई हो. इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पार्टी के भीतर दलितों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व न मिलने की बात कहकर अपनी ही पार्टी को कटघरे में खड़ा कर दिया था. वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्ठल के एक इंटरव्यू ने तो सनसनी फैला दी.

> **दलित वोट बैंक पर टिकी सबकी नजर**
>
> पंजाब में लगभग 32 प्रतिशत दलित आबादी है, जो किसी भी दल की जीत-हार तय करने में निर्णायक भूमिका निभाती है . कांग्रेस का यह पारंपरिक वोटबैंक अब सबकी रडार पर है . भाजपा जहां पीएम मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री के जरिए इस वर्ग को साध रही है, वहीं 'आप' अब दलित उपमुख्यमंत्री बनाने के पुराने वादे को पूरा करने की तैयारी में है . गौरतलब है कि 2022 की हार के बाद कांग्रेस ने खुद को संभाला जरूर था, लेकिन प्रताप सिंह बाजवा और राजा वडिंग जैसे बड़े नेताओं की विवादित बयानबाजी पार्टी की छवि धूमिल कर रही है .

विशेष — पहले प्रियंका से मुलाकात, अब राहुल के समर्थन में बयान

क्या कांग्रेस के करीब आ रहे हैं पीके ?

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण). बिहार की राजनीति में एक बार फिर नई चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है. पहले प्रशांत किशोर की प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात और अब लोकसभा में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति दिए जाने के समर्थन में बयान. इन घटनाक्रमों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस के करीब जा रहे हैं? हालांकि अब तक न तो जन सुराज की ओर से और न ही कांग्रेस की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान आया है.

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजे जन सुराज और कांग्रेस दोनों के लिए निराशाजनक रहे थे. इसके तुरंत बाद दिसंबर 2025 के मध्य में प्रशांत किशोर ने दिल्ली में प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की थी. यह बैठक सोनिया गांधी के आवास 10, जनपथ पर हुई और कई घंटों तक चली. राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात को लेकर कयास लगाए गए, हालांकि पीके ने सार्वजनिक रूप से इस पर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की थी. हाल ही में बिहार नवनिर्माण यात्रा के दौरान पूर्वी चंपारण में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दिए जाने को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया. उन्होंने कहा कि देश ने विपक्ष को भी चुना है और संसद में उसकी आवाज को दबाना उचित नहीं है. इस बयान के बाद यह चर्चा और तेज हो गई कि क्या दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक दूरी कम हो रही है?

2025 चुनाव में प्रदर्शन- प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार चुनावी मैदान में उतरकर 238 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे. हालांकि पार्टी को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली. उसे करीब 3.44 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त हुआ. कई सीटों पर प्रदर्शन अपेक्षा से काफी कमजोर रहा.

महागठबंधन का हिस्सा रही कांग्रेस ने सीट शेयरिंग के तहत 61 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन पार्टी को केवल 5-6 सीटों पर ही जीत मिली, जो 2020 के मुकाबले काफी कम था. उस समय कांग्रेस ने 19 सीटें जीती थीं. इस परिणाम ने पार्टी के संगठन और रणनीति पर सवाल खड़े किए.

> **2022 में कांग्रेस को दिया था प्रजेंटेशन**
>
> बिहार में जन सुराज यात्रा आरंभ करने से पहले अप्रैल 2022 में प्रशांत किशोर ने कांग्रेस नेतृत्व यानी सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के सामने संगठनात्मक सुधारों को लेकर विस्तृत प्रजेंटेशन दिया था . उन्होंने 'एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप 2024' बनाने और पार्टी ढांचे में बड़े बदलावों का सुझाव रखा था . हालांकि बातचीत आगे नहीं बढ़ सकी और पीके को अपेक्षित स्वतंत्रता नहीं मिलने की चर्चा रही . इसके बाद उन्होंने बिहार में पदयात्रा शुरू की और बाद में जन सुराज पार्टी का गठन किया . हालिया घटनाक्रमों ने सियासी अटकलों को जरूर हवा दी है, लेकिन फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह महज मुद्दों पर समर्थन है या किसी बड़े राजनीतिक समीकरण की शुरुआत .